

सम्पादकीय

कब लकड़ी हिसा, विषय शासित राज्यों की छोटी घटना पर जवाबलव करने वाली केंद्र मणिपुर के मामले में साइलेंट रहे।

एक भी ऐसा संकेत नजर नहीं आता, जिससे पता चले कि सरकार मणिपुर में दिंसा रोकने की लैक गंभीर है। सबा साल से ऊपर हो गए, मगर अब भी कुकी और मैरेट समूहों के उग्रवादी संगठन लक्षित दिंसा करने लगे हैं। वे पहले दूसरे समूह के लोगों के घरों को चिह्नित करते हैं और फिर हमला कर देते हैं। इंफल के पश्चात हिस्से में हुआ ताजा हाला इसके उड़ार हो गया। उसमें कोई भी विधायिकों ने कहा है कि वे खाली भी चरमपंथी गुप्त को कटूरपंथी और राष्ट्र-विरोधी नहीं बनने दें। विचित्र है कि कई मौकों पर दोहरा चुक है कि स्थित कानून में है, अब वे अपना ताजा हाला लेंगा। जैसे चरमपंथी संगठनों पर शिकंजा करने की वाल कर रहे हैं। मणिपुर सरकार के गुम्हंतालय में कहा है कि ताजा घटना में उग्रवादियों ने ड्रेन का उपयोग कर लक्षित दिंसा की। सज्जन मुश्किल है कि मणिपुर में सक्रिय उग्रवादियों की गतिविधियों पर नजर रखना इतना मुश्किल क्यों बना हुआ है और वे कैसे अत्याधिक तकनीक और हथियारों का इस्तेमाल कर पा रहे हैं। छोटी बात नहीं है कि मणिपुर का सारा संघर्ष सरकार की शिथलता की बजह से पैदा हुआ है।

शुरू में ही अगर सरकार ने दोनों समूहों के बीच पैदा हुई गुप्तहीनी को दूर करने के प्रयास किया होता, तो वैमनस्यता की भूमि न भड़कने पाती। मगर सरकार ने न तो बातचीत की पहल की और न उपद्रवियों पर कानून पापनी की कोशिश। यही बजह है कि पिछले बर्ष शुरू हुई दिंसा के बाद कई थानों और शक्तिशालों से हथियार लुट लिए गए और उनका भूमि नहीं रहा। पुलिस की जूनीयों में महिलाओं को निर्वक्तव्य की घुसाई, उनसे बलाकार और उनकी हत्या तक की घटनाएं हो रुकी हैं। मगर उन पर कार्रवाई में तपतरा नहीं दिखाई गई। अब तक दो सौ से अधिक लोग मरे हुए रुके हैं। हजारों लोग अपना धर-काव छोड़ कर विरयों में रहने को मजबूर हैं। हजारों भर और पूजा स्थल तोड़-फोड़ कर दिए गए। इतना कुछ ही हो जाने के बाद अगर मुख्यमंथी अब संकर्त्य ले रहे हैं कि वे उग्रवादी संगठनों को राष्ट्र-विरोधी और कटूरपंथी नहीं बनने देंगे, तो हरौना की विवाह हो। मणिपुर के मामले में केंद्र सरकार का रवैया भी शुरू से सवालों के बीच रहा है। इस राजनीति के विषयी दलों की सकारात्मकता और उनसे छोटी-सी घटना पर भी केंद्रीय गुहान्तालय तुरंत जवाब तलब कर लेता है, मगर मणिपुर के मामले में मौन साधे हुए ही दिखता रहा। शुरू-शुरू में वह केंद्रीय सुश्क्षा बलों को सख्ती के अंदर रहा, तब हिंसा भी तय नहीं की गई थी, मगर बाद में विस सख्ती दलों की सकारात्मकता और उनकी जांच और राष्ट्र-पुलिस की कार्रवाई आदि पर नजर रखने के लिए एक दल गठित कर दिया।

बढ़ता विद्यार्थी बढ़ता राजस्थान

बढ़ता विद्यार्थी

लोकसभा में असफलता के बाद अब हरियाणा विधानसभा में आप पार्टी व कांग्रेस में गठबंधन की तैयारी

लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में निराशा थी लेकिन पार्टी कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच्छी लड़ा। दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-

अशोक भाटिया

लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच्छी लड़ा। दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-

कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर कम हो गया।

लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच्छी लड़ा। दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-

कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर कम हो गया।

लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच्छी लड़ा। दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-

कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर कम हो गया।

लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच्छी लड़ा। दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-

कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर कम हो गया।

लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच्छी लड़ा। दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-

कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर कम हो गया।

लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच्छी लड़ा। दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-

कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर कम हो गया।

लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच्छी लड़ा। दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-

कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर कम हो गया।

लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच्छी लड़ा। दिल्ली के नतीजों पर उन्होंने कहा कि आप-

कांग्रेस गठबंधन का सबसे बड़ा फायदा यह हुआ कि भाजपा उम्मीदवारों की जीत का अंतर कम हो गया।

लोकसभा चुनावों में आप और कांग्रेस ने दिल्ली, हरियाणा और गुजरात में सीट बंटवारे की व्यवस्था की, जबकि वे असम और पंजाब में एक-दसरे के खिलाफ लड़े। गोपाल राय ने कहा कि हमने बेहद विपरीत परिस्थितियों में लोकसभा चुनाव लड़ा। हमारे शीर्ष नेता जेल में हैं। सभी सीटों पर जीत का अंतर कम हो गया है। केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आप कार्यकर्ताओं में भी एकजुट रही और तानाशाही के खिलाफ अच

कृषि यंत्र खरीद पर किसानों को मिलेगा 50 प्रतिशत तक अनुदान

बढ़ता राजस्थान

टोंक, (का.स.)। खेती-किसानों में कृषकों द्वारा बुआई, जुटाई और बिजाइ जैसे कठोर कार्य किये जाते हैं। इन्हें कार्यों को सुगम बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा सब मिलन आंतरिक लिंग के लिए नियमन योजना के प्रवधानों के तहत किसानों को अधिकृत कृषि यंत्रों पर अनुदान देकर लाधार्ण किया जा रहा है। किसानों पर आधारित भार कम पड़ेगा और कृषि कार्य आसान हो जायेंगे साथ ही किसानों की आय में भी बढ़ि होगी।

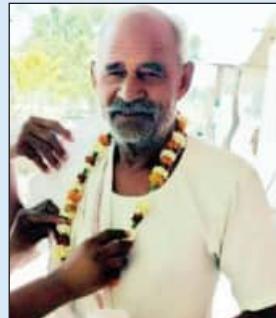
कृषि अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत कृषक 13 सिंचार तक आंतरिक अवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रों पर अनुसूचित जारी, अनुसूचित जनजाति, लघु, सीमांत एवं महिला किसानों को ट्रैक्टर की बाइचौपी के आधार पर लागत का अधिकतम 50 प्रतिशत तक तथा अन्य श्रेणी के कृषकों को लागत का अधिकतम 40 प्रतिशत तक अनुदान दिया जायेगा। लघु एवं सीमांत श्रेणी के आंतरिक अवेदन पर पूर्व जन आधार में लघु एवं सीमांत श्रेणी जुड़वाना आवश्यक है, अवेदन के दौरान उक्त प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। राज किसान साथी पोर्टल पर इंचिंक के माध्यम से जाधार काई, जमावदी की नकल कृषि यंत्र का कोटेशन अवधि दस्तावेजों की सहायता से अंत लाइन आवेदन कर सकते हैं। किसानों को इंचिंक संचालित सभी प्रकार के कृषि यंत्रों जैसे रोटोट्रेट, थ्रसर, कलटीट्रेटर, बंडफार्मर, रीप, सॉर्ड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, डिस्क रोरे, प्लॉटर आदि यंत्रों पर अनुदान दिया जायेगा। किसान द्वारा कृषि यंत्रों को पंजीकृत फर्म से खरीदने तथा सत्याग्रह के बाद अनुदान उनके आवेदन तक अनुदान दिया जायेगा।

एक जन आधार पर होगा एक अवेदन

एक किसान एक प्रकार के कृषि यंत्रों पर तीन वर्ष की कालावधि में केवल एक बार अनुदान दिया जायेगा। किसानों को चिनायी वर्ष में एक ही कृषि यंत्र पर अनुदान दिया जायेगा। प्रशासनिक स्वीकृति जारी करने से पूर्व खरीदे गये पुराने कृषि यंत्रों पर अनुदान नहीं दिया जायेगा। एक जन आधार द्वारा एक ही आवेदन स्वीकृत होगा कि दस्तावेजों के लिए किसान के नाम भूमि और ट्रैक्टर चलित यंत्र पर अनुदान के लिए ट्रैक्टर संचालित स्वीकृत होगा। आवेदन के लिए किसान के नाम भूमि और ट्रैक्टर चलित यंत्र पर अनुदान के लिए ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन आवेदन किसान के नाम होना आवश्यक है।

बनास नदी में बढ़े महिला और पुरुष, महिला को ग्रामीणों ने बचाया, पुरुष का काफी तलाश के बाद मिला शव

बढ़ता राजस्थान



शिवाड़ (निस.)। कठोर के पास सवाई माधोपुर चौथा का बचावा यात्री में बह रही बनास नदी में मालंवार को एक बार फिर के से हालत हो गया। देवली-डिडावर बनास रप्ट पर बनास नदी पार कर रहे त्रित्रे गांव के पैदल यात्रियों में से दो यात्री पानी के बचाव के साथ बह गए। जिनमें से एक महिला यात्री को स्थानीय लोगों ने बचा लिया। वहाँ एक बुजुर्ग पानी में बह की यांत्रिक पर एसटीआरएफ के टीम एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन में लगे हुए रहे और करीब शाम 6.15 बजे शव बरामद हुआ। ग्रामीण एवं पुलिस प्रशासन के साथ-साथ यात्री में आप लोगों ने बताया कि सागरनेर हत्थीसील के कुछ गांव से करीब 80 यात्री पैदल यात्रा में गणेश मासाई माधोपुर और थे खाली सुबह 8.00 बजे के बाद केवल देवली-डिडावर बनास रप्ट पर नदी पार करने के दौरान एक महिला यात्री ग्रामीणों द्वारा जो कि ट्रैक्टर के पीछे चल रही थी। वह पानी के बचाव के साथ फिलन कर पानी में जाग गिरी इसी के साथ यात्री को बचाने के प्रयास में गोविंद राम (पुत्र) राधेश्याम निवासी तेजावाला तहसील सांगाने जिला जयपुर भी बह गया। आसपास के लोगों की सहायता से महिला ग्रामीणों द्वारा को तो बचा लिया गया, लेकिन गोविंद राम पानी के साथ बह गया। घटना के बाद मीके पर तसीहावर ने निरज कुमार और थाना प्रभारी ने हार्दें चिंह जाके के साथ पूजा दरहन रखे। खुरुंगा का पता लगाने के साथ एसटीआरएफ की टीम भी बुलाई गई। दैरा शाम तक टीम को आंसे से लगातार तलाश की जा रही थी और आखिर कार टीम को शाम 6.15 बजे शव मिला। स्थानीय लोग भी टीम के साथ तलाश में लगे हुए थे।

प्रधानमंत्री सूर्य धर योजना के पंजीकरण शिविर में उपभोक्ताओं के किए पंजीकरण, दो दिन तक आयोजित होंगे पंजीकरण शिविर

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। विद्युत विभाग के तत्वावधान में बुधवार को तीन दिवसीय प्रधानमंत्री सूर्य धर योजना के पंजीकरण शिविर का आयोजित हुआ। शिविर में उपभोक्ताओं के प्रधानमंत्री सूर्य धर योजना के पंजीकरण किए गए। समाधारक अधिकारी धनराज ठाठवत के बुधवार को तीन दिवसीय जीएसएस एवं वनस्पति मोड औपरांगक क्षेत्र के लिए एसटीआरएफ की टीम भी बुलाई हुआ। ग्रामीण एवं पुलिस प्रशासन के प्रधानमंत्री सूर्य धर योजना के पंजीकरण शिविर का आयोजित हुआ। शिविर में उपभोक्ताओं के प्रधानमंत्री सूर्य धर योजना के पंजीकरण किए गए। कनिं अधियंता लक्ष्मी गोविंद ने बताया कि बुधवार को अहिंसा सर्किल पर विद्युत विभाग का यात्रालय व जिलायत रोड पर अवधारणा के क्षेत्र विद्युत विभाग का यात्रालय व जिलायत पावर हाउस पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक प्रधानमंत्री सूर्य धर योजना के पंजीकरण किए गए। उन्होंने बताया कि शुक्रवार तक विभाग के वनस्पति जीएसएस, अवधारणा सर्किल पर विद्युत विभाग का यात्रालय व जिलायत रोड पर स्थित रिके क्षेत्र विद्युत कार्यालय व जिलायत पावर हाउस पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक प्रधानमंत्री सूर्य धर योजना के पंजीकरण किए गए। उन्होंने बताया कि शुक्रवार तक विभाग के वनस्पति जीएसएस, अवधारणा सर्किल पर विद्युत विभाग का यात्रालय व जिलायत पावर हाउस पर सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक प्रधानमंत्री सूर्य धर योजना के पंजीकरण किए गए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य धर योजना के पंजीकरण किए गए।

निवाई से चाकूसू शीतला माता के लिए शुक्रवार को होगी रवाना तृतीय विशाल पदयात्रा

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। शुक्रवार को प्रातः 7 बजे निवाई से चाकूसू शीतला माता के लिए तृतीय विशाल पदयात्रा रवाना होगी। जागदीश सैनी ने बताया कि पदयात्रा के विधि-विधान से ध्वज पूजन के साथ रवाना किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पदयात्रा का साथ रवाना किया जाएगा। पदयात्रा का जुलूस पहाड़ी चुंगी नाक का स्थिर तेजाजी मरिद से भव्य जुलूस के साथ रवाना होगी। पदयात्रा का जुलूस पहाड़ी चुंगी नाक से वेयहाउस, अहिंसा सर्किल, राधा दमोहर सर्किल होता हुआ निकलेगा पदयात्रा में यात्रियों के लिए भोजन की व्यवस्था निःशुल्क की गई।

स्टेट हाइवे पिछले एक माह से अधिक अवधि से है बंद

बढ़ता राजस्थान

इसे नियति का खेल कहे या फिर कहे लापरवाही



इस दूरू मालपुरा टोडारायसिंह छाण स्टेट हाइवे पर मालपुरा सेक्टर में बाहरी यात्री के लिए एक माह से भी अधिक अवधि से बंद हैं लेकिन आज तक यह आवागमन चालू नहीं हो सका है। अब स्टेट हाइवे जैसे मुख्य सड़क मार्ग पर पिछले एक माह से भी अधिक अवधि बंद सड़क मार्ग को नियति का खेल कहा जाए या फिर इसे सम्बन्धित अधिकारियों की लापरवाही कहा जाए।

जयपुर से अंजमर नेशनल हाइवे से जोड़ने के लिए दूरू से मालपुरा टोडारायसिंह हाइवे छाण जैसे नेशनल हाइवे को जोड़ने का नियमित अधिकारियों ने बताया कि यहाँ जैसे नेशनल हाइवे को जोड़ने के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए। इस से अंजमर नेशनल हाइवे को जोड़ने के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए।

प्रयास कर विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर निर्देश दिए थे कि 1 सितम्बर से काम शुरू होना चाहिए। इन शुरू होने के बाद वाले वाहनों को जामने के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए। इन शुरू होने के बाद वाले वाहनों को जामने के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए।

दूरू मालपुरा टोडारायसिंह छाण जैसे महावर्षपुर स्टेट हाइवे पर मालपुरा सेक्टर को जोड़ने का नियमित अधिकारियों के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए। इस से अंजमर नेशनल हाइवे को जोड़ने के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए। इस से अंजमर नेशनल हाइवे को जोड़ने के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए। इस से अंजमर नेशनल हाइवे को जोड़ने के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए।

दूरू मालपुरा टोडारायसिंह छाण जैसे महावर्षपुर स्टेट हाइवे पर मालपुरा सेक्टर को जोड़ने के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए। इस से अंजमर नेशनल हाइवे को जोड़ने के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए।

दूरू मालपुरा टोडारायसिंह छाण जैसे महावर्षपुर स्टेट हाइवे पर मालपुरा सेक्टर को जोड़ने के लिए एक माह से भी अधिक अवधि में रमरमत होनी चाहिए।

